शुक्रवार
27 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

दिन में एक एक्स्ट्रा कप कॉफी भी कम कर सकती है वजन!

पृष्ठ 5

मनोज बाजपेयी की जोरम दुनियाभर के सिनेमाघरों में होगी रिलीज

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 256
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, पत्ते–पत्ते में शिक्षापूर्ण पाठ हैं, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है।

– हरिऔध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उद्यान घोटाले में भाजपा विधायक का नाम आने से राजनीति में आया उबाल

विशेष संवाददाता

देहरादून। उद्यान विभाग में हुए करोड़ों के घोटाले के तार भाजपा और भाजपा विधायक से जुड़ने से सूबे की सियासत में हलचल पैदा हो गई है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर जहां आक्रमक हो गई है वहीं भाजपा अपने विधायक के बचाव में आती दिख रही है।

उल्लेखनीय है कि जिस उद्यान विभाग के घोटाले को लेकर सरकार द्वारा एसआईटी जांच कराई जा रही थी तथा सरकार पर बढ़ते दबाव के चलते उद्यान निदेशक डा. एच एस बवेजा को निर्लंबित किया गया उस मामले में एसआईटी जांच से संतुष्ट न होने पर बीते दो दिन पूर्व ही हाईकोर्ट द्वारा इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप गई है उस मामले में अब एक और नया मोड़ आ गया है। इस घोटाले की सीबीआई जांच के जो आदेश हाईकोर्ट द्वारा दिए गए हैं उसमें रानीखेत से भाजपा विधायक प्रमोद नैनवाल का नाम भी है जिसमें उनके भाई सतीश नैनवाल को सेब की 2402

❑हाई कोर्ट के सीबीआई जांच के आदेश से हुआ खुलासा
❑रानीखेत विधायक के भाई को दिए गए सेब के पौध

पौध दिए जाने की बात कही गई है।

इस तथ्य की जानकारी मिलने पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि यह घोटाला भाजपा सरकार के कार्यकाल का ही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि भाजपा के तमाम नेताओं के नाम घोटाले में सामने आ रहे हैं। भर्ती घोटाले के बाद अब उद्यान घोटाले में भाजपा नेताओं की संलिप्ता सामने आ गई है। उनका कहना है कि यह भाजपा की जीरो टॉलरेंस की नीति है। भाजपा का असली चरित्र यही है कि वह करती कुछ है बताती कुछ है और दिखाती कुछ है। उन्होंने कहा कि अब देखना यह है कि सीबीआई अपनी जांच में क्या करती है।

उधर इस मामले में भाजपा अपने विधायक के बचाव में आ गई है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि उनकी रानीखेत विधायक नैनवाल से बात हुई थी उनका कहना है कि उनके पास अपनी पैतृक जमीन है जिस पर सेब के पौधे लगाए गए हैं। जबकि आरोप है कि उन्होंने वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण किया है। महेंद्र भट्ट का कहना है कि पौध की खरीद व जमीन में कहीं गड़बड़ी पाई जाएगी तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। कांग्रेस को तो बात का बतंगड़ बनाने की आदत है। भ्रष्टाचार किसी ने भी किया हो अगर भ्रष्टाचार हुआ है तो कार्रवाई भी जरूर होगी।

सीबीआई को इस घोटालेकी जांच

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

वर्क फार्म होम के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गैंग का सरगना गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। वर्क फॉर्म होम के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए एसटीएफ की साइबर क्राइम पुलिस द्वारा गैंग के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी देशभर में 37 एफ.आई.आर. में वांछित है जिसके तार चीन से भी जुड़े हुए है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि पिछले दिनों ऐसे ही एक प्रकरण में साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून पर शिकायत प्राप्त हुयी। जिसमें शिकायतकर्ता को जो कि ऑनलाईन जॉब की तलाश कर रहा था। उसके मोबाईल नम्बर पर एक अज्ञात मोबाईल नम्बर से व्हट्सएप्प मैसेज प्राप्त हुआ। जिसमें उसे एक प्रतिष्ठित होटल ग्रुप के लिए वर्क फ्राम होम का ऑफर प्राप्त हुआ। जिसके बाद शिकायतकर्ता को टेलीग्राम एप्प पर एक और मैसेज प्राप्त हुआ। जिसके द्वारा स्वंय का परिचय देते हुए अपना नाम

❑21 करोड़ की धोखाधड़ी में है शामिल, देश भर में 37 मुकदमें भी है दर्ज

सोनिया बताते हुए खुद को उक्त होटल ग्रुप से जुड़ा बताया गया और शकायतकर्ता को ग्रुप के लिए वर्क फ्राम होम की स्कीम बताकर लाभ कमाने का लालच दिया गया। जिसके बाद शुरुआती दौर में ऑनलाई होटल की बुकिंग कर कमिशन भी दिया गया। इतना होने के बाद उसे

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू दिल्ली एम्स में भर्ती !

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को शिमला के अस्पताल से दिल्ली के एम्स में रेफर कर दिया गया है। पेट में इन्फेक्शन की शिकायत के बाद उन्हें शिमला के अस्पताल में एडमिट कराया गया था। मुख्यमंत्री सुबह करीब 11.20 बजे एम्स पहुंचे और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टल प्रमोद गर्ग की अगुवाई में डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है। डॉक्टरों की शुरुआती जांच में पता चला कि मुख्यमंत्री पैंक्रिएटिटिस से पीड़ित हैं, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। इंदिरा गांध ी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (आईजीएमसीएच) के अधिकारियों ने पहले कहा था कि मुख्यमंत्री की हालत स्थिर है और उनकी सभी टेस्ट रिपोर्ट सामान्य हैं। बुधवार रात को डॉक्टरों ने उनकी देखभाल की और अगले दिन उन्हें दिल्ली एम्स रेफर करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री को दिल्ली रेफर करने के लिए डॉक्टरों की टीम से राय ली गई। कहा जा रहा है कि डॉक्टरों की राय पर सीएम के शुभचिंतकों ने उन्हें एम्स में शिफ्ट करने का फैसला किया। इसके बाद आज उन्हें दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

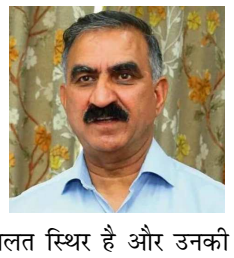

पाकिस्तान ने बॉर्डर पर की गोलीबारी, दो जवान व चार नागरिक घायल

श्रीनगर। पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा रात में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अरनिया और आर एस पुरा सेक्टरों में भारतीय चौकियों पर अकारण गोलीबारी करने से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान और चार नागरिक घायल हो गए। इस गोलाबारी में कई जानवर मारे गए हैं। कई घरों को भी क्षति पहुंची है तथा हजारों सीमावासियों ने सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन किया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार देर रात रिहायशी इलाके में भी गोले दागे। भारत की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई पोस्ट तबाह होने और पांच से सात रेंजरों के भी मारे जाने का दावा किया

जा रहा है।

गोलीबारी में बिक्रम पोस्ट पर तैनात कर्नाटक के जवान बसपाराज के पैर व हाथों में शेल के स्पिलिंटर लगे हैं। वहीं, जब्बोवाल पोस्ट पर जवान के पैर में गोली लगी है। दोनों को जम्मू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। रिहायशी क्षेत्रों अरनिया, सुचेतगढ़, सई, जब्बोवाल व त्रेवा में पाकिस्तान के 25 से ज्यादा मोर्टार शेल गिरे हैं। भारी गोलीबारी के चलते बीएसएफ ने हाई अलर्ट कर दिया है। पुलिस ने लोगों को घरों में रहने और बिजली बंद रखने को कहा है।

बीएसएफ की तरफ से बॉर्डर क्षेत्र में अनाउंसमेंट करवाकर लोगों को बिजली के बल्ब बंद करके घरों में रहने की हिदायत दी गई है साथ ही अरनिया सहित सीमा क्षेत्र में हाईअलर्ट कर दिया है। पुलिस ने सीमा की तरफ जाते सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग करके वाहनों की तलाशी शुरू की है। बाहर निकले लोगों को घर लौटने के लिए कहा जा रहा है। गोलीबारी रात करीब 8 बजे शुरू हुई जब पाक रेंजरों ने बिना किसी उकसावे के कुछ भारतीय चौकियों को निशाना बनाया।

दून वैली मेल

संपादकीय

बातों से भ्रष्टाचार नहीं मिटेगा

सत्ता में बैठे लोग चाहे जितने भी दावे करे कि उन्हें भ्रष्टाचार कतई भी बर्दाश्त नहीं है। उनकी सरकार भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है लेकिन यह सब कुछ हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और वाली कहावत को चरितार्थ करने वाला ही है। भ्रष्टाचार उत्तराखंड ही नहीं अपितु पूरे देश की एक ऐसी बड़ी समस्या है जिसका समाधान न तो अब तक हो सका है और न ही होने की संभावनाएं दूर-दूर तक दिखाई देती हैं। बात उत्तराखंड की अगर की जाए तो राज्य गठन के साथ ही उत्तराखंड में व्यापक स्तर पर घपलों घोटालो का जो एक सिलसिला शुरू हुआ वह आज तक अविराम जारी है। एक समय उत्तराखंड की सत्ता पर काबिज रहने वाले दोनों दलों भाजपा और कांग्रेस के नेता चुनाव के समय एक दूसरे के कार्यकाल में हुए घपलों घोटाले की सूचिंया अपनी जेब में डालकर घूमते थे। यही नहीं मतदान स्थलों के आसपास इन दलों द्वारा एक दूसरे के घोटाले की सूचियां के बड़े-बड़े होर्डिंग्स भी लगाये जाते थे और यह साबित करने की होड़ रहती थी कि हमारे शासन काल में तुम्हारे शासनकाल से कम घोटाले हुए। हालांकि अपनी कमीज को दूसरों से ज्यादा सफेद बताने वाले यह दोनों दल और उनके नेताओं में कोई भी किसी से कम नहीं रहा है। जिसे भी सत्ता में आने का मौका मिला उसने खूब बहती इस भ्रष्टाचार की गंगा में हाथ धोये। जिनका उल्लेख यहां किया जाना संभव नहीं है उत्तराखंड का हर एक नागरिक इस सच्चाई को जानता भी है और मानता भी है कि यहां दूध का धुला कोई भी नहीं है। लेकिन इससे भी बड़ी विडम्बना यह है कि इन घोटालों की जांच के नाम पर भी हमेशा लीपापोती का काम ही होता रहा है। सैकड़ो बड़े घोटाले सामने आने के बाद भी आज तक इनकी जांच किसी मुकाम तक नहीं पहुंच सखी है और न आज तक किसी नेता को जेल हो सकी है। हर घोटाले की जांच एसआईटी को सौंप दी जाती है और सालों साल जांच की प्रक्रिया चलती रहती है और मामला ठंडा बस्ते में चला जाता है। अब राज्य में सूचना का अधिकार का इस्तेमाल करने वालों की संख्या कम नहीं रही और न हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने वालों की संख्या कम है। यही कारण है कि भ्रष्टाचार के कई मामलों में एसआईटी जांच को असंतोष जनक बताते हुए हाईकोर्ट द्वारा उनकी जांच सीबीआई से कराने के आदेश दिए जा चुके हैं। उद्यान विभाग में हुए करोड़ों के घोटाले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश कल ही हाई कोर्ट द्वारा दिया गया है इससे पूर्व टाइगर सफारी घोटाले की जांच भी हाईकोर्ट ने सीबीआई से कराने के आदेश दिए थे जो चार दिन पहले की ही बात है सवाल यह है कि उस एसआईटी का क्या होगा जिस पर भरोसा कर हर मामले की जांच सरकार सौंपती आई है हाई कोर्ट अगर इस तरह से भ्रष्टाचार के मामलों की जांच सीबीआई को सौंपता रहा तो इससे सरकार के साथ और एसआईटी विश्वसनीयता तो खतरे में पड़ जाएगी। बात चाहे पाखरो रेंज में टाइगर सफारी घोटाले की हो या फिर उद्यान घोटाले की भ्रष्टाचार के मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना ही चाहिए और वह तब तक नहीं हो सकता है जब तक उनकी निष्पक्ष जांच नहीं होगी सिर्फ भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त करेंगे। उत्तराखंड की सरकार को लोकायुक्त के गठन तक के निर्देश तो हाई कोर्ट को देने पड़ रहे हैं ऐसी सरकार से भला यह कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह भ्रष्टाचार रोकने के लिए वास्तव में सजग हैं या ईमानदाराना कोशिश से कर रही है। सत्ता में बैठे लोगों का अपनी कथन और करनी के इस फर्क को समझने की जरूरत है।

वर्क फार्म होम के नाम पर धोखाधड़ी करने ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

होटल बुकिंग से सम्बन्धित एक टास्क दिया और धोखाधड़ी करते हुए उससे विभिन्न खातों में 19 लाख 94 हजार 853 रूपये हड़प लिये गये। मामले में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। तकनीकी जांच में सामने आया कि आरोपी का सम्बन्ध हरियाणा से है। जिस पर साइबर क्राइम पुलिस द्वारा हरियाणा जाकर रूषभ शर्मा पुत्र राजेश शर्मा निवासी गुडगाँव हरियाणा को घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार कर लिया गया। विवेचना में सामने आया कि आरोपी लगभग 21 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में संलिप्त है। जिस पर विभिन्न राज्यों में 37 मुकदमें पंजीकृत है।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसके साथ अन्य सहयोगी भी है जिन्होने चीनी ग्राहकों के लिए डमी बैंक खाते भी खोले है। यह खाते गुजरात (सूरत, बड़ौदा), दिल्ली एनसीआर (गुड़गांव, नोएडा) और पंजाब (लुधियाना) में खोले जाते हैं। फर्जी जीएसटी और आयात-निर्यात पंजीकरण संख्या उत्पन्न होती है और फिर बैंक खाते खोले जाते हैं। भारी कमीशन का भुगतान चीनी क्लाइंट्स द्वारा किया जाता है।

एष पुरू धियायते बृहते देवतातये।
यत्रामृतास आसते।।
(ऋग्वेद ९-१५-२)

परमेश्वर अनंत विषयों के ज्ञान का दाता है। वह देवत्व को समस्त संसार में फैलाने की अभिलाषा रखता है जिससे कि सभी का जीवन आनंदमय हो जाए।

देश का युवा हर रोज करीब 12 घंटे काम करें, ताकि भारत तेजी से तरक्की करेः एनआर नारायणमूर्ति

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। देश के अधिकतर सरकारी और प्राइवेट संस्थानों में 8 से 9 घंटे का वर्किंग कल्चर है। लेकिन देश के बड़े उद्योगपति और दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के को-फाउंडर एनआर नारायणमूर्ति की सलाह है कि देश का युवा हर रोज करीब 12 घंटे काम करें, ताकि भारत तेजी से तरक्की करे। नारायणमूर्ति का कहना है कि जब देश का युवा हफ्ते में 70 घंटे काम करेंगे, तभी भारत उन अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकेगा, जिन्होंने पिछले दो से तीन दशकों में कामयाबी हासिल की है। नारायणमूर्ति ने पॉडकास्ट द रिकॉर्ड के लिए इंफोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई से बात करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में भारत की वर्क प्रोडक्टिविटी दुनिया में सबसे कम है, जबकि हमारा सबसे ज्यादा मुकाबला चीन से है और इसलिए युवाओं को अतिरिक्त घंटे काम करना होगा, जैसा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान और जर्मनी ने किया था। वर्क प्रोडक्टिविटी में सुधार के अलावा भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा, इसके लिए सरकार को कदम उठाने होंगे। अगर हमें प्रगतिशील देशों से मुकाबला करना है कि नौकरशाही को दुरस्त करना होगा। किसी काम को लेकर नौकरशाही के स्तर पर देरी नहीं होनी चाहिए। इसलिए युवाओं को कहना चाहिए कि यह मेरा देश है, और मैं हफ्ते में 70 घंटे काम करूंगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मन और जापानियों ने भी यही किया था। उन्होंने यह सुनिश्चित

किया कि प्रत्येक जर्मन अतिरिक्त घंटे काम करे। इसलिए सरकार अपनी जिम्मेदारी निभा रही है, लेकिन देश के लोगों को आगे बढ़कर योगदान देना होगा। मुझे लगता है कि जब तक हम ऐसा नहीं करेंगे, बेचारी सरकार क्या कर सकती है?

जब उनसे आजादी के 75वें वर्ष में भारत के युवाओं के लिए उनके संदेश के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पिछले 300 सालों में पहली बार, भारत को राष्ट्रों की समिति की नजरों में कुछ सम्मान मिला है। उस सम्मान को मजबूत करना हर भारतीय की जिम्मेदारी है, खासकर युवाओं की।इंफोसिस के प्रमुख ने बताया कि वर्क प्रोडक्टिविटी में चीन एक जीता-जागता उदाहरण है, जहां भारत के मुकाबले लोग ज्यादा देर तक काम करते हैं। इसलिए देश के सभी युवाओं से मेरा अनुरोध है कि इसे महसूस करें और अगले 20 से 50 सालों तक दिन में 12 घंटे काम करें। ताकि भारत जीडीपी के मामले में नंबर एक या दो बन जाए। इसके अलावा 77 साल के नारायणमूर्ति ने एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया, उन्होंने बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी ने हमारी लाइफ को आसान बना दिया है। पहले राशन खरीदने के लिए दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब एक क्लिक पर घर पहुंच जाता है।

टेक्नोलॉजी की उपलब्धि बताते हुए नारायणमूर्ति ने कहा कि एक दिन उनका रसोइया कहता है, श्सर, आपका डायबिटीज से बचाने वाला आटा कुछ दिन में खत्म हो जाएगा। अभी ऑर्डर करने की जरूरत पड़ेगी। मूर्ति ने रसोइए को पास बिठाया और अमेजन से ऑर्डर किया। नारायण मूर्ति ने बताया, मेरा रसोइया युवा है और ओडिशा से है। उसे ऑनलाइन ऑर्डर के बारे में पता है, उसको पता था कि 2 महीने के लिए कितना आटा चाहिए। उसने तुरंत ऑर्डर कर दिया। इससे समझ आता है कि टेक्नोलॉजी कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वर्षों पहले जब टेक्नोलॉजी नहीं थी कि तब मेरे चाचा गांव से शहर राशन लेने जाते थे। अब टेक्नोलॉजी को इसको आसान बना दिया है, इसलिए टेक्नोलॉजी को हमें धन्यवाद कहना चाहिए।

उन्होंने कहा, एक समय था जब रात 10 बजे होम डिलीवरी की कल्पना संभव नहीं थी। मेरे रसोइए ने जब आटा ऑर्डर किया उस वक्त रात के 10 बज रहे थे। एक समय ऐसा भी था जब शाम होते ही मार्केट बंद हो जाते थे। अब तो आप आधी रात को अपना मन-पसंद खाना खा सकते हैं। टेक्नोलॉजी से हर सेक्टर में फायदा हो रहा है।

गढ़वाल के प्राचीन प्रथा हनुमान ध्वजा विस्थापना से हुआ उत्तराखंड की सबसे भव्य रामलीला का समापनः थापर

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून द्वारा गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी- पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला को टिहरी के जलमग्न होने के बाद देहरादून में 21 वर्षों बाद पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया है और इस हेतु देहरादून के टिहरी-नगर में 11 दिन की भव्य रामलीला का आयोजन15 से 25 अक्टूबर 2023 तक सफल आयोजन हुआ । सकुशल समापन के उपरांत गढ़वाल की प्राचीन प्रथा के अनुरूप हनुमान ध्वजा विस्थापित कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल से सभी क्षेत्रवासियों ने मिलकर हनुमान ध्वजा को विस्थापित करने हेतु पूजा, अर्चना व हवन किया व तत्पश्चात विधि-विधान से हनुमान ध्वजा को विस्थापित किया गया।

श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा की 1952 से टिहरी में हर वर्ष रामलीला के सफल आयोजन की कामना हेतु जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हनुमान ध्वजा का विधि विधान से स्थापना होती थी और रामलीला कार्य सकुशल संपन्न होने के बाद हवन-पूजन कर

हनुमान ध्वजा की विस्थापन होती थी, अतः हमने भी वही प्राचीन परंपरा का पालन किया।

उल्लेखनीय है की सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म द्वारा यह रामलीला 10 लाख से अधिक लोगो तक पहुंचाया गया, जो उत्तराखंड में रामलीला आयोजन का अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उत्तराखंड में लेजर शो, लेजर शो, डिजीटल स्क्रीन, लाईव टेलीकास्ट सिस्टम के साथ पहली बार उड़ने वाले हनुमान व नदी में केवट लीला जैसे दृश्यों के साथ इतनी भव्य रामलीला का सफल आयोजन हुआ।

रामलीला के समापन दिवस में 1952 से आजतक के पुराने कलाकारों व उनके परिवार को सम्मानित किया गया, क्योंकि इस रामलीला को 1952 से सफल बनाने में हर एक व्यक्ति का योगदान रहा। कार्यक्रम में सभी पात्रों, समन्वय समिति, स्वयंसेवक समिति, गायक और संगीतकार को रामलीला समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इस रामलीला में चौपाई, कथा, संवाद, मंचन आदि सब टिहरी की 1952 से चली आ रही प्रसिद्ध व प्राचीन रामलीला के जैसे हुआ।

कार्यक्रम में अध्यक्ष अभिनव थापर, सचिव अमित पंत, गिरीश पांडेय, बचेंद्र कुमार पांडे, नरेश मुल्तानी, मनोज जोशी, गुड्डी थपलियाल, शशि पैन्यूली, किरण बहुगुणा, उर्मिला पंत, दुर्गा भट्ट, आदि ने भाग लिया।

मस्सों को गायब कर देंगे ये मैजिकल ऑयल, जानें लगाने का तरीका

कई लोगों को आमतौर पर चेहरे या शरीर के अन्य भाग पर मस्से की समस्या हो जाती है। यह मस्से हाथ की उंगलियों, गर्दन, चेहरे या फिर अन्य ऐसी ही जगहों पर अचानक से निकल आते हैं। आमतौर पर स्किन के ऐसे पार्ट जहां फोल्ड्स बनते हैं वहां पर इनके होने के चांस बढ़ जाते हैं। मस्से यूं तो किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन यह लुक को प्रभावित जरूर कर देते हैं।

वैसे तो कई घरेलू उपचार हैं, जिनकी मदद से आप इन मस्सों को हटा सकते हैं। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल के बारे में बताएंगे जिसे रोजाना दिन में दो बार अप्लाई करने से मस्सों का सफाया हो जाता है।

1. नीम का तेल

नीम के तेल का उपयोग सदियों से सौंदर्य उत्पादों और प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है। नीम का तेल कई ऐंटिफंगल और एंटीवायरल गुणों से युक्त होता है, जो मस्सों के इलाज में मदद कर सकता है। इस तेल को मस्सों पर लगाने से पहले किसी अन्य कैरियर ऑयल के साथ मिला लें और फिर मास्क के रूप में लगाएं।

2. टी-ट्री ऑयल

इस ऑयल में एंटी-माइक्रोबियल, एंटीसेप्टिक, एंटीवायरल और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। यह त्वचा के लिए बिल्कुल सुरक्षित है, इसलिए इसका प्रयोग सौंदर्य उत्पादों जैसे, साबुन और शैंपू में किया जाता है। टी-ट्री ऑयल को सीधे मस्से पर लगाया जा सकता है। इसका उपयोग दिन में दो बार कुछ महीने तक करने से लाभ मिलता है।

3. दालचीनी की छाल का तेल

दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी यौगिक गुण पाए जाते हैं। इसे पारंपरिक रूप से चिकित्सीय उपयोगों में अलग-अलग रूप से इस्तेमाल किया जाता है। दालचीनी का तेल बेहद गुणकारी होता है और अगर इसे मस्सों पर लगाया जाए, तो वह निकल जाते हैं। इस तेल को सीधे तौर पर नहीं लगाना चाहिए, नहीं तो स्किन में जलन पैदा होने लगती है। दालचीनी को किसी अन्य एसेंशियल ऑयल के साथ ही मिक्स कर के लगाएं।

4. ओरिगैनो ऑयल

ओरिगैनो ऑयल खाने पीने की चीजों के साथ घरेलू उपचार के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। इस तेल में ऐंटिफंगल, एंटीऑक्सिडेंट और दर्द-निवारक गुण मौजूद होते हैं। ओरिगैनो का तेल मस्सों के उपचार के लिए भी बेहद सहायक है। दिन में एक बार इस तेल का उपयोग करके आप बेहतरीन रिजल्ट पा सकते हैं। गर्भवती महिलाओं को अजवायन के तेल का उपयोग नहीं करना चाहिए।

5. लोबान का तेल

लोबान एक अत्यंत लोकप्रिय आवश्यक तेल है जिसका उपयोग अरोमाथेरेपी और घरेलू उपचार में किया जाता है। इसका धार्मिक और पारंपरिक अनुष्ठानों में एक अहम हिस्सा है। इसका उपयोग कई तरह की बीमारियों के लिए एक औषधीय उपचार के रूप में किया गया है। लोबान में कसैले, रोगाणुरोधी और घाव भरने वाले गुण हैं जो मस्से के इलाज में मदद कर सकते हैं। इसे उपयोग करने के लिए लोबान के तेल की कुछ बूंदे रूई पर डालें और फिर उसे मस्से पर रखें। उसके बाद इसे एक टेप से कवर कर लें। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से मस्से से छुटकारा मिलेगा।

6. लौंग का तेल

लौंग का तेल मस्से सहित कई बीमारियों के लिए एक औषधीय उपचार के रूप में किया जाता है। लौंग के तेल में एंटीसेप्टिक और एंटीवायरल प्रॉपर्टीज होती हैं, जो मस्से के इलाज के लिए जानी जाती हैं। इस तेल को प्रतिदिन दो बार मस्से पर लगाएं।

'बालाजी टेलीफिल्म्स' के अपकमिंग शो में टीवी एक्ट्रेस नीति टेलर आएगी नज़र

टीवी की दुनिया में पिछले काफी वक्त से कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे है। हर कोई कुछ ना कुछ नया करना चाहता है जिसके चलते मेकर्स कई तरह की कोशिश करते रहते है। वही बात की जाए टीवी एक्ट्रेस की तो वह भी अब कुछ अलग किरदार करना ही पसंद करती है बहुत ही कम एक्ट्रेस है जो अब बहु के रूप में काम करना चाहे। वही लोगो भी अब टीवी पर कुछ नया देखना चाहते है।

वही टीवी एक्ट्रेस नीति टेलर की अगर बात की जाए तो उन्हें टीवी की सबसे क्यूट एक्ट्रेस में से एक माना जाता है। नीति काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी में थोड़ी परेशान कर रही है। वही 2019 में आए शो इश्कबाज के बाद से वह किसी और सीरियल में नज़र नहीं आई है। नीति को यूथ के बिच काफी ज्यादा पसंद किया जाता रहा है और हर किसी को उनकी टीवी पर वापसी का इंतजार है।

अब नीति के फैंस का इंतजार ख़तम होता हुआ नज़र आ रहा है। एक बड़े न्यूज़ पोर्टल की रिपोर्ट की माने तो बालाजी टेलीफिल्म्स ने अपने अपकमिंग शो के लिए नीति को अप्रोच किया है। ये शो टीवी के बड़े चेनल पर टेलीकास्ट किया जयेगा। वही अमर उपाध्याय और इक़बाल खान जैसे कलाकार उस शो में मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाले है। नीति को लेकर अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। नीति और अमर की जोड़ी पहली बार टीवी पर एक साथ नज़र आएगी जिसको देखने के लिए हर कोई काफी उत्साहित नज़र आ रहा है। वही बालाजी टेलीफिल्म्स एक बड़ा प्रोडक्शन हाउस है इस के साथ काम करने का मौका हर किसी को नहीं मिलता। ये मौका नीति के लिया लाइफ चेंजिंग साबित हो सकता है।

दुनिया में साढ़े सात हजार से अधिक किस्म के सेब पाए जाते हैं

सबसे अधिक सेहतमंद फलों की जब भी बात आती है तो सेब का नाम पहली पंक्ति में होता है। तभी तो स्वस्थ जीवन जीने के लिए हर दिन एक सेब खाने की सलाह दी जाती है। हममें से ज्यादातर लोग सेब की 3 से 4 वरायटीज के बारे में ही जानते हैं। लेकिन दुनियाभर में मुख्य रूप से 8 प्रकार के सेब सबसे अधिक खाए जाते हैं। जबकि दुनिया में साढ़े सात हजार से अधिक किस्म के सेब पाए जाते हैं। इनके रंग अलग होने के साथ ही गुणों में भी हल्का अंतर होता है लेकिन ये सभी स्वास्थ्य के लिए अमृत समान होते हैं...

क्लासिक रेड सेब

-कश्मीरी सेब लगभग पूरी दुनिया में पसंद किए जाते हैं। इन सेब को इनकी खूबसूरत रंगत के आधार पर क्लासिक रेड कैटिगरी में रखा गया है। ये सेब खाने में बहुत अधिक रसीले होते हैं।

मैकिन्टोश ऐपल

-मैंकिटोश ऐपल गहरा गुलाबी शेड लिए हुए सुर्ख लाल सेब होता है। यह सेब अपने गूदे के कारण एक अलग पहचान रखता है। क्योंकि इसका गूदा बहुत मुलायम और दानेदार होता है। यही वजह है कि इसका उपयोग कैंडी, जैम और जेली जैसी चीजें बनाने में अधिक किया जाता है।

फूजी ऐपल

-फूजी ऐपल लाल-पीला और गुलाबी रंग के मिक्स शेड के साथ बहुत ही खूबसूरत दिखने वाला सेब होता है। इसे देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। खास बात यह है कि जितना दिखने में आकर्षक होता है, यह सेब खाने में भी उतना ही क्रंची होता है।

ग्रीन ऐपल

-क्लासिक रेड के बाद सबसे अधिक पसंद किया जानेवाला सेब है हरा सेब इसको ग्रेनी स्मिथ के नाम से भी जाना जाता है। आमतौर पर ऐपल जूस बनाने में इसी सेब का उपयोग किया जाता है क्योंकि यह अन्य सेब की तुलना में बहुत अधिक रसीला होता है।

पीला सेब

-जैसा कि ना से ही साफ है कि इस सेब का छिलका पीला होता है और इसकी रंगत कहीं-कही से सुनहरी होती है। इस कारण इसे गोल्डन ऐपल और येलो ऐपल के नाम से भी जाना जाता है। इस सेब का उपयोग मुख्य रूप से ऐपल ड्रिंक्स और वेब्रेज बनाने में किया जाता है।

हनीक्रिस्प ऐपल

-हनी क्रिस्प ऐपल बाहर से हल्का हरा होता और इस पर लाल सुर्खी होती है (यानी इसके छिलके का बेस हल्के हरे रंग का और ऊपर से सुर्ख लाल रंग के शेड्स होते हैं।) इस सेब का स्वाद खाने में शहद जैसी मिठास लिए हुए होता है। साथ ही यह बहुत क्रिस्पी भी होता है। आमतौर पर इस सेब का उपयोग फ्रूट सैलेड बनाने में किया जाता है।

बाल्डविन ऐपल

-बाल्डविन सेब चटख लाल रंग का होता है और अन्य किस्म के सेबों की तुलना में दिखने में अधिक आकर्षक भी होता है। इस सेब की फसल सर्दियों के मौसम में अधिक होती है, इस कारण इसे विंटर ऐपल भी कहा जाता है।

-इस सेब को रेड डिलिशियस ऐपल के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन सेब की अन्य किस्मों की अपेक्षा यह फल मार्केट में कम उपलब्ध होता है। स्वाद में यह रसीला और क्रंची होता है।

गाला ऐपल

-गाला का अर्थ होता है, जिसमें बहुत सारी चीजों का संगम हो। अगर सेब के बारे में इस शब्द का उपयोग किया जाता है तो इसका अर्थ है कि अलग-अलग तरह के सभी सेबों की खूबियां अपने आप में समेटे हुए, सभी खूबियों से भरपूर सेब।

-गाला सेब अन्य प्रकार के सेबों की तुलना में काफी बड़े होते हैं। इस सेब की खास बात यह होती है कि इसका छिलका सेब के अंदरूनी हिस्से की तुलना में अधिक मीठा होता है। यही कारण है कि इसको छिलके सहित खाया जाता है।

-गाला ऐपल बाहर से दिखने में फूजी ऐपल की तरह ही होता है लेकिन आकार में उससे बड़ा होता है। तो अब आप जान चुके हैं कि सेब की सबसे अधिक पसंद की जानेवाली प्रजातियों की खूबियां क्या हैं। ऐसे में आप अपनी जरूरत और मूड के हिसाब से सेब के स्वाद का लुत्फ उठाएं।

खूबसूरती के चक्कर में कहीं पड़ न जाए लेने के देने, जानें आपको कैसे बीमार बना सकती है नेल पॉलिश

कलरफुल नेल पॉलिश हर लड?ी की पहली चाहत मानी जाती है। अपने नाखूनों को खूबसूरत बनाने के लिए वे नेल पॉलिश लगाती हैं। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि इसमें इस्तेमाल होने वाले केमिकल बेहद खतरनाक होते हैं और उन्हें बीमार बना सकते हैं। दरअसल, पूरी बॉडी में एंडोक्राइन ग्लैंड्स होते हैं, जो हार्मोन का उत्पादन करते हैं। एंडोक्राइन ग्लैंड्स के हार्मोन से ही हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। इसी से बनने वाला एंडोक्राइन डिसरप्टर एक तरह का केमिकल है, जो डेली लाइफ में यूज होने वाले ब्यूटी प्रोडक्ट्स, फूड और ड्रिंक पैकेजिंग, खिलौने, कालीन और कीटनाशक में इस्तेमाल होता है। कुछ केमिकल फ्लेम रिटारडेंट की तरह भी काम करते हैं जो एंडोक्राइन-डिसरप्टर भी हो सकते हैं। जब ये हवा, पानी, आहार और त्वचा के संपर्क में आते हैं तो इन्हें पूरी तरह हटाया नहीं जा सकता और ये नुकसानदायक बन जाते हैं।

क्या होते हैं एंडोक्राइन-डिसरप्टिंग केमिकल

एंडोक्राइन-डिसरप्टिंग केमिकल प्राकृतिक या मानव निर्मित दोनों तरह के हो सकते हैं। ये हमारी बॉडी के हार्मोन की नकल कर उन्हें ब्लॉक कर सकते हैं। ये हॉर्मोन के साथ इंटरफेयर कर सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एंडोक्राइन डिसरप्टर का कारण बन सकते हैं ये केमिकल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरी दुनिया में करीब 85,000 केमिकल ऐसे हैं, जिन्हें इंसानों ने बनाया है। इनमें से 1,000 से ज्यादा अपने गुणों के कारण एंडोक्राइन डिसरप्टर हो सकते हैं। इनमें कुछ एट्राजिन जो दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले हर्बिसाइड में से एक है। इसके अलावा बिस्फेनॉल ए, डाइऑक्सिन, परक्लोरेट, फथलेट्स भी शामिल है। फथलेट्स फ्लूइड प्लास्टिसाइजर के तौर पर उपयोग किया जाता है। यह कुछ फूड पैकेजिंग, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, सुगंध वाले प्रोडक्ट, बच्चों के खिलौने और मेडिकल इक्विपमेंट में पाए जाते हैं। खासकर नेल पॉलिश, हेयर स्प्रे, आफ्टरशेव लोशन, क्लींजर और शैम्पू में ज्यादा मिलते हैं। इनके अलावा फाइटोएस्ट्रोजेन, पॉलीक्लोराइनेटेड बाइफिनाइल्स भी खतरनाक केमिकल हैं।

एंडोक्राइन डिसरप्टर से कैसे बच सकते हैं

एक्सपर्ट्स के मुताबिक,एंडोक्राइन डिसरप्टर केमिकल अगर बहुत कम मात्रा में है तो भी सेहत को नुकसान पहुंचाने के लिए काफी हो सकता है। शरीर की सामान्य एंडोक्राइन सिस्टम में हार्मोन लेवल में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं। ये छोटे परिवर्तन ही कई तरह की बायोलोजिकल इफेक्ट्स छोड़ सकते हैं। जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इनसे बचना है तो केमिकल के संपर्क में आने के बाद हाथ को अच्छी तरह धोएं। केमिकल के सुगंध से भी दूरी बनाएं। धूल और वैक्यूम से भी बचें। प्लास्टिक का इस्तेमाल करने से बचें। प्रोसेस्ड फूड से परहेज करें और पानी को फिल्टर कर पीने की कोशिश करें। इतना ही नहीं बच्चों को अपने ब्यूटी प्रोड्क्टस से दूर रखें। (आरएनएस)

स्ट्रेस और एंजाइटी भी बढ़ा सकता है मोटापा!

बढ़ता वजन और मोटापा सेहत के लिए कई समस्याएं पैदा कर सकता है. अगर समय पर इसे कंट्रोल न किया जाए तो ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी कई क्रोनिक बीमारियों का रिस्क बढ़ सकता है. मोटापे का प्रमुख कारण खराब लाइफस्टाइल और गड़बड़ खानपान माना जाता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि स्ट्रेस और एंग्जाइटी के कारण भी मोटापा हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि ज्यादा वजन और मोटापे का कारण हम सभी को पता होना चाहिए. आइए जानते हैं मोटापे का कारण और इससे होने वाले नुकसान के बारें में...

वजन बढ़ा सकता है तनाव

कई अध्ययनों में पता चला है कि ज्यादा तनाव लेने वालों का वजन तेजी से बढ़ सकता है. दरअसल, तनाव लेने पर शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है जो ज्यादा खाने के लिए प्रेरित करता है. इसकी वजह से नींद की समस्या और मेटाबॉलिज्म भी प्रभावित हो सकता है. जिससे पेट की चर्बी और पूरे शरीर का वजन बढ़ सकता है. इसलिए वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो तनाव लेना बंद करना पड़ेगा.

जेनेटिक्स भी हो सकता है मोटापा

मोटापा जेनेटिक्स भी हो सकता है. मतलब अगर परिवार में कोई मोटापे का शिकार है तो काफी हद तक यह आपमें भी आ सकता है. जीन शरीर में वसा की मात्रा को बढ़ा सकते हैं. ऐसे में विशेष सावधानी और ख्याल रखने की सलाह दी जाती है.

कई दवाईयां भी मोटापे का कारण

लाइफस्टाइल, आहार में गड़बड़ी और तनाव ही नहीं कुछ दवाईयां भी वजन बढ़ाने और मोटापा लाने का कारम हो सकती है. एंटीडिप्रेसेंट, स्टेरॉयड, एंटी-सीजर दवाएं, डायबिटीज की दवाईयां या बीटा-ब्लॉकर्स का सेवन करने वालों का वजन काफी हद तक बढ़ सकता है. इसलिए डॉक्टर की सलाह पर ही इन दवाईयों का सेवन करें.

कुछ बीमारियों की वजह से बढ़ सकता है मोटापा

कई स्वास्थ्य समस्याएं भी वजन बढ़ाने का कारण बन सकती हैं. जैसे- गठिया से पीड़ित लोगों की फिजिकल एक्टिविटीज कम हो जाती है. इस वजह से उनमें मोटापा और वजन बढने की समस्या हो सकती है. इसलिए सेहत का अच्छी तरह ख्याल रखना चाहिए.

हफ्ते में तीन बार खाएं मुट्ठी भर नट्स, अच्छा रहेगा दिल

हफ्ते में तीन बार मुट्ठी भर बादाम, अखरोट खाने से दिल की धड़कन अनियंत्रित होने का खतरा 18 फीसदी तक कम हो जाता है। स्वीडन के 60 हजार लोगों के दिल की सेहत पर 17 साल तक अध्ययन के बाद इस नतीजे पर पहुंचे हैं। दिल की सेहत उम्र बढ़ने के साथ लोगों के लिए चिंता का सबब बन जाती है। एक नए अध्ययन में विशेषज्ञों का कहना है कि एट्रियल फाइब्रिलेशन यानि दिल की धड़कन अनियंत्रित होने की समस्या में नट्स का नियमित सेवन आराम पहुंचाने वाला हो सकता है। यह हार्ट स्ट्रोक होन की अहम वजह होता है। शोध के दौरान विशेषज्ञों ने यह भी देखा कि सीमित मात्रा में नट्स खाने से हार्ट फेल होने का खतरा भी कम हो जाता है। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट में हुए इस शोध में कहा गया है कि नट्स का सेवन हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को कम करता है। हालांकि इस अध्ययन की एक खास बात यह थी कि इसमें शामिल सभी प्रतिभागी युवा और शारीरिक तौर पर सक्रिय थे। इनका वजन नियंत्रित था और यह कम मात्रा में शराब का सेवन करते थे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दिन में एक एक्स्ट्रा कप कॉफी भी कम कर सकती है वजन!

कॉफी पीना काफी लोगों को पसंद होती है। यह सेहत के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। कहा जाता है कि कॉफी पीने से हार्ट डिजीज, डायबिटीज और कुछ कैंसर में फायदा मिल सकता है। आजकल वजन भी तेजी से बढ़ती समस्या बनती जा रही है। ऐसे में रिसर्च में पाया गया है कि दिन में एक एक्स्ट्रा कप कॉफी पीने से या उसमें शक्कर क्रीम या कुछ एक्स्ट्रा डालने का असर वजन पर होता है। आइए जानते हैं एक्स्ट्रा कप कॉफी पीने से वजन कम होता है या नहीं?

क्या कॉफी पीने से कम होता है वजन

तीन रिसर्च में पाया गया है कि ऐसे लोग जो बिना शक्कर की मात्रा बढ़ाए, एक कप एक्स्ट्रा कॉफी पीते हैं, उनका वजन कम बढ़ा है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी से वजन कम बढ़ सकता है। दिन में एक कप अतिरिक्त कॉफी पीने वालों में चार साल के अंदर 0।12 किलो कम वजन बढ़ सकता है। अगर उस कॉफी में शक्कर डाल दिया जाए तो वजन 0।09 किलोग्राम ज्यादा बढ़ सकता है।

क्या कहता है रिसर्च

इस रिसर्च टीम ने 1986 से 2010 और 1991 से 2015 तक बी नर्सेस हेल्थ स्टडीज में 213 लाख पार्टिसिपेंट्स और 1991 से 2014 तक हेल्थ प्रोफेशनल फॉलोअब स्टडी के 50,000 पुरुष पार्टिसिपेंट्स के आंकड़ों को मिलाया। उनसे खानपान को लेकर सवाल किए गए। इसमें कॉफी पीने से चार साल के अंदर वजन को लेकर भी सवाल शामिल था। नर्सों के अध्ययन में पाया गया कि हर चार साल में 1।2 से 1।7 किलो वजन बढ़ा है।

वहीं, हेल्थ प्रोफेशनल के अध्ययन में पाया गया कि औसत वजन 0।8 किलो का बढ़ा। इसके आधार पर पाया गया कि एक दिन में एक कप बिना शक्कर की कैफीनेटेड या अनकैफीनेटेड कॉफी पीने से चार साल में उम्मीद से 0।12 वजन कम बढ़ा। दूध या दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स को कॉफी में मिलाने पर उसका कोई असर नहीं हुआ, जबकि एक चम्मच शक्कर से 0।09 किलो वजन बढ़ा।

क्यों खास है यह स्टडी

इस रिसर्च की बात करें तो यह दो लिहाज से काफी खास है। पहला इसका सैंपल साइज काफी बड़ा था और दूसरा इसमें पार्टिसिपेंट्स से कई सालों तक जानकारी ली जाती रही। इस रिसर्च में यह साबित नहीं हो पाया कि कॉफी पीने से वजन में बदलाव होने सही कारण है। क्योंकि अध्ययन में पाए गए बदलाव ज्यादा बड़े नहीं थे।

कॉफी का वजन पर प्रभाव क्यों

कैफीन प्राकृतिक उत्तेजक है, जो भूख को कम करने का काम करता है। कई लोग एक्सरसाइज से पहले उसे बेहतर बनाने के लिए कॉफी पीते हैं। कैफीन मेटाबॉलिज्म की गति को बढ़ने का काम करते हैं। जिससे आराम करने के दौरान भी ज्यादा ऊर्जा खर्च हो। चूंकि वजन कम होने के कई कारण हैं, इसलिए यह अध्ययन ज्यादा संतोषजनक नहीं माना जा सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -072

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

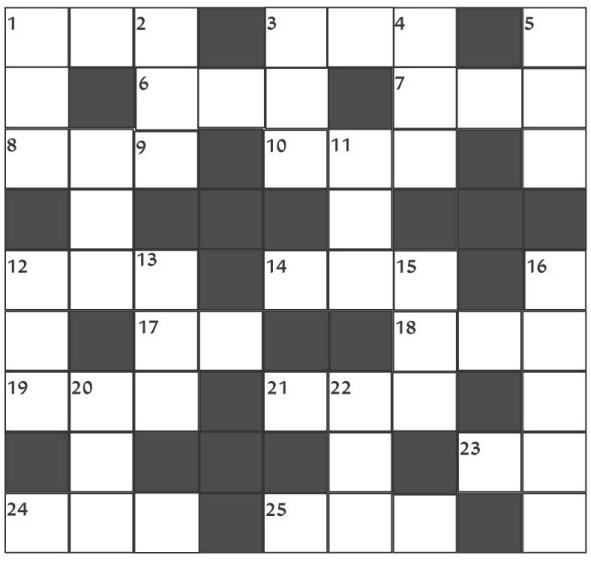

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 71 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सलमान के लिए पहली बार टाइगर 3 में सुर लगाएंगे अरिजीत

फिल्म टाइगर 3 का ट्रेलर सामने आने के बाद खासकर सलमान खान के प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है।पिछले दिनों खबर आ रही थी कि जाने-माने गायक अरिजीत सिंह की सलमान से सुलह हो गई है। उन्हें सलमान के घर से बाहर आते देखा गया था।इसके बाद प्रशंसकों ने कयास लगाने शुरू किए कि गायक टाइगर 3 से जुडऩे वाले हैं और अब खुद सलमान ने भी इस पर अपनी मोहर लगा दी है।

सलमान ने अपने एक्स हैंडल पर टाइगर 3 के पहले गाने लेके प्रभु का नाम की पहली झलक प्रशंसकों के साझा की और लिखा, पहले गाने की पहली झलक। ओह हां। ये है अरिजीत सिंह का पहला गाना मेरे लिए, जो 23 अक्टूबर को रिलीज हुआ। सलमान के यह पोस्ट करते ही सोशल मीडिया पर एक बार फिर अरिजीत संग उनकी दुश्मनी और दोस्ती की चर्चा होने लगी है।यह पहला मौका होगा, जब अरिजीत, सलमान के लिए गाना गाएंगे।

अरिजीत ने शाहरुख खान से लेकर रणवीर सिंह, शाहिद कपूर और रणबीर कपूर तक कई अभिनेताओं को अपनी आवाज दी है, लेकिन उन्होंने कभी सलमान के लिए गाना नहीं गाया था। हालांकि, उन्हें आवाज देने की इच्छा अरिजीत ने जरूर जाहिर की थी।अरिजीत बोले थे कि वह सलमान के लिए कम से कम एक गाना गाकर ही गायकी से रिटायर होना चाहेंगे। अब आखिरकार उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो गई है।

दरअसल, 2014 में एक पुरस्कार समारोह में फिल्म आशिकी 2 के गाने तुम ही हो लिए पुरस्कार लेने जब अरिजीत मंच पर आए तो शो होस्ट कर रहे सलमान ने उनसे कहा, तू है विनर जवाब में अरिजीत ने कहा, आप लोगों ने मुझे सुला दिया।फिर सलमान ने कहा, इसमें हमारा कोई दोष नहीं है। अब ऐसे गाने बजते रहेंगे तो नींद तो आएगी ना।सलमान के इतना कहते ही अरिजीत बिना कुछ कहे मंच से चले गए।

इस घटना के बाद सलमान ने अपनी फिल्मों किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान से अरिजीत के गाने हटवा दिए, जबकि अरिजीत ने उनसे सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांग ली थी। तभी से उनके बीच बोलचाल बंद थी।कुछ ही दिन पहले अरिजीत को सलमान के घर से बाहर निकलते देखा गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।सलमान के प्रशंसक कयास लगाने लगे कि अरिजीत फिल्म टाइगर 3 के गाने में अपनी आवाज दे सकते हैं।

वैसे सलमान के एक समय शाहरुख खान और संजय दत्त के साथ भी मतभेद हो चुके हैं। हालांकि, फिर उनकी भी दोस्ती हो गई। शाहरुख-काजोल, रोहित शेट्टी-अजय देवगन और शाहरुख-फराह खान भी तकरार के बाद एक बार फिर दोस्ती का हाथ आगे बढ़ा चुके हैं।

गुरु रंधावा ने किया अपनी पहली पैन इंडिया फिल्म शाहकोट का ऐलान

गुरु रंधावा संगीत की दुनिया में एक लोकप्रिय नाम हैं। गायक और म्यूजिक कंपोजर के रूप में उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है।गायिकी में अपनी छाप छोडऩे के बाद रंधावा अब फिल्मों में एक अभिनेता के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाले हैं।रंधावा ने अपनी पैन इंडिया फिल्म शाहकोट का ऐलान किया है। शाहकोट का पहला पोस्टर सामने आ चुका है, जिसमें रंधावा बेहद अलग अवतार में दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म में पंजाब के गौरव के रूप में पहचान बनाने वाले रंधावा, एक पंजाबी युवा इकबाल सिंह की भूमिका निभाते हैं, जिसके जीवन में विदेश में उद्यम करने के अपने सपनों का पीछा करने के बाद एक अप्रत्याशित मोड़ आता है। गुरु रंधावा टी-सीरीज बैनर के तहत फिल्म के कुछ गानों में अपनी मनमोहक आवाज भी देंगे, जो इस रोमांटिक कहानी में एक भव्य संगीतमय स्पर्श जोड़ देगी।

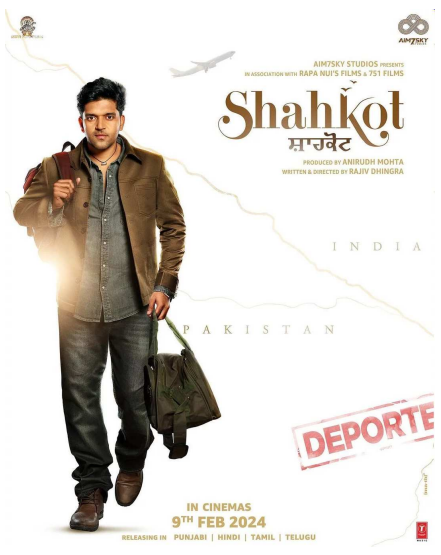

कलाकारों में ईशा तलवार भी शामिल हैं, जो दक्षिण भारत में अपनी लोकप्रियता के लिए जानी जाती हैं। वह गुरु की प्रेमिका की भूमिका निभाती हैं। वह एक युवा महिला हैं, जिसने अपना पूरा जीवन राज बब्बर द्वारा अभिनीत अपने पिता अब्बा जी की देखभाल में बिताया है। फिल्म में गुरशाबाद, इकबाल के भरोसेमंद विश्वासपात्र की भूमिका निभा रहे हैं वहीं पंजाबी अभिनेता हरदीप गिल एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। लव पंजाब, फिरंगी और कॉमेडी नाइट्स विद कपिल जैसी प्रस्तुतियों के लिए प्रशंसित निर्देशक राजीव ढींगरा का लक्ष्य एक ऐसी फिल्म बनाना है जो सीमाओं को पार कर दुनिया भर के दर्शकों से जुड़े। स्काई स्टूडियोज के निर्माता अनिरुद्ध मोहता ने कहा कि यह फिल्म पंजाबी अपील से बिल्कुल परे है। हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज की योजना इसे वास्तव में एक अखिल भारतीय उत्कृष्ट कृति बनाती है। (आरएनएस)

मनोज बाजपेयी की जोरम दुनियाभर के सिनेमाघरों में होगी रिलीज

मनोज बाजपेयी की फिल्म जोरम अब तक कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित की जा चुकी है। इन समारोहों में फिल्म को खूब सराहा गया है।इन दिनों फिल्म बुसान फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शन के लिए चर्चा में है। फिल्म लगभग हर महाद्वीप के चक्कर लगा चुकी है। अब खबर आई है कि यह फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। खुद मनोज ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, मनोज और जीशान अय्यूब की फिल्म जोरम दुनियाभर में रिलीज की जाएगी।फिल्म का निर्माण जी स्टूडियोज और मखीजा फिल्म ने मिलकर किया है। इसका निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है। मखीजा और मनोज इससे पहले शॉर्ट फिल्म तांडव में भी साथ काम कर चुके हैं।जी स्टूडियोज ने अपने बयान में कहा कि वैश्विक दर्शकों को समझने के बाद वे इसे योजनाबद्ध तरीके से दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज करेंगे।

मनोज ने खुद जानकारी दी कि यह फिल्म दुनियाभर में 1 दिसंबर को रिलीज होगी।उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय मंचों से लेकर बड़े पर्दे तक का इस फिल्म का सफर इसके सर्वव्यापक और समय से परे होने को दर्शाता है। मैं इस कहानी को वैश्विक दर्शकों के साथ साझा करने के लिए बेताब हूं और मुझे उम्मीद है कि यह अलग-अलग पृष्ठभूमि और संस्कृति के लोगों के साथ जुड़ेगी।उन्होंने फिल्म को मिल रहे सम्मान पर भी खुशी जाहिर की।

यह बॉलीवुड फिल्म एक सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में मनोज ने दसरु नाम के एक जनजातीय व्यक्ति का किरदार निभाया है।दसरु एक विस्थापित पिता है, जो अपनी बच्ची के साथ अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा है। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो अपने अतीत और वर्तमान के बीच फंसा हुआ है। उसके पुराने कारनामे उसके वर्तमान को बर्बाद कर रहे हैं।फिल्म में तनिष्ठा चटर्जी और राजश्री देशपांडे भी नजर आएंगी।

जोरम इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में फिल्म विशेषज्ञों की वाहवाही पा चुकी है।फिल्म सिडनी फिल्म फेस्टिवल, डरबन फिल्म फेस्टिवल, एडिनबर्ग फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित की जा चुकी है। डरबन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म के लिए मनोज को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी दिया गया था। यहां इस फिल्म के लिए पीयूष पुती ने सर्वश्रेष्ठ सिनेमाटोग्राफर का पुरस्कार जीता था।इनके अलावा फिल्म रोटरडम और इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में भी चर्चा में रही थी। 1 दिसंबर को रिलीज होने का मतलब है कि यह फिल्म सिनेमाघरों में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के साथ रिलीज होगी। रणबीर की यह फिल्म काफी समय से चर्चा में है। फिल्म में रणबीर के साथ रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर नजर आएंगे।

साई धरम तेज की नई फिल्म का शीर्षक सामने आया

मेगा सुप्रीम हीरो साई धर्म तेज अपनी 17वीं फिल्म में एक शानदार जन मनोरंजन के साथ धूम मचाने के लिए तैयार हैं, जिसका शीर्षक उपयुक्त है गांजा शंकर। तेज और निर्देशक संपत नंदी के बीच सहयोग का प्रशंसकों द्वारा बेसब्री से इंतजार किया गया है। मोशन पोस्टर टीजऱ से, यह स्पष्ट है कि यह फिल्म जन शैली को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

तेज का शानदार बदलाव एक रहस्योद्घाटन है, जो भूमिका के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जबकि भीम का गहन स्कोर उत्साह को बढ़ाता है। निर्देशक संपत नंदी एक्शन से भरपूर, हाई-एनर्जी फिल्में देने में अपने कौशल के लिए जाने जाते हैं, और गांजा शंकर उनके प्रदर्शन में एक यादगार इज़ाफ़ा होने का वादा करता है।

सितारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून 4 सिनेमाज द्वारा निर्मित, यह फिल्म साईं धरम तेज के पावरहाउस प्रदर्शन के साथ स्क्रीन को प्रज्वलित करते हुए, बड़े पैमाने पर मनोरंजन श्रेणी में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है। प्रशंसक इस रोमांचक सिनेमाई सवारी को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

आयुष्मान खुराना ने बॉर्डर 2 के लिए मिलाया हाथ

सनी देओल इन दिनों सफलता के रथ पर सवार हैं। उनकी फिल्म गदर 2 की रिलीज को 2 महीने पूरे होने वाले हैं और यह अब भी सिनेमाघरों में टिकी हुई है।फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। बीते दिन उन्होंने आमिर खान के साथ अपनी नई फिल्म लाहौर 1947 का ऐलान किया और अब वह बॉर्डर 2 लेकर आ रहे हैं।फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना नजर आने वाले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, काफी समय से खबरें आ रही थीं कि निर्माता- निर्देशक जेपी दत्ता अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल बनाने जा रहे हैं।अब खबर है कि इस फिल्म में सनी की मौजूदगी पक्की हो गई है, वहीं आयुष्मान भी इस वॉर ड्रामा फिल्म से जुड़ गए हैं। उनका नाम भी फिल्म के लिए लगभग तय है और वह इसमें सनी की तरह ही लीड रोल करते नजर आएंगे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दत्ता मशहूर निर्माता और टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार के साथ मिलकर बॉर्डर 2 बनाने वाले हैं और दोनों इसके जरिए भारत की अब तक की सबसे बड़ी वॉर ड्रामा फिल्म दर्शकों के बीच पेश करने की योजना बना रहे हैं।फिल्म काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है। निर्माताओं को उम्मीद है कि बॉर्डर 2 भी दर्शकों के बीच वही माहौल बनाएगी, जैसा गदर 2 की घोषणा के बाद बना था।

जेपी दत्ता देशभक्ति फिल्मों की जान कहे जाते हैं। उन्होंने युद्ध पर आधारित कई शानदार फिल्में बनाई हैं। दत्ता ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म गुलामी से की थी। इसके बाद उन्होंने न सिर्फ बॉर्डर, बल्कि रिफ्यूजी और एलओसी जैसी कई बेहतरीन फिल्में बनाईं। एक करीबी सूत्र ने बताया कि निर्माता पिछले कई हफ्तों से इस फिल्म के सिलसिले में आयुष्मान से बातचीत कर रहे हैं। अब आखिरकार बात पक्की हो गई है और आयुष्मान फिल्म साइन करने की कगार पर हैं।हमेशा से सोशल ड्रामा फिल्मों का हिस्सा बनने वाले आयुष्मान पहली बार किसी वॉर ड्रामा फिल्म से जुड़े हैं और वह सनी के साथ इस रोमांचक यात्रा को शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

सनी की नई फिल्म लाहौर 1947 का ऐलान हाल ही में हुआ है। इसमें वह एक बार फिर पाकिस्तानियों से जंग लड़ते नजर आएंगे। उनकी इस फिल्म के निर्माता आमिर खान तो निर्देशक राजकुमार संतोषी हैं। सनी के खाते से अपने 2 भी जुड़ी है।दूसरी तरफ आखिरी बार ड्रीम गर्ल 2 में दिखे आयुष्मान का नाम दिनेश विजान की अगली फिल्म से लेकर कई फिल्मों से जुड़ चुका है, लेकिन किसी भी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

बॉर्डर 1997 में रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था। यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। इस फिल्म में सनी के साथ सुनील शेट्टी और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिका में नजर आए थे।फिल्म देशभक्ति से लबरेज थी और ऐसे में इसके गानों को आज भी खूब पसंद किया जाता था।10 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 65 करोड़ का कलेक्शन किया था।

कारोबारी संसार की घनचक्करी भूलभुलैया

पंकज शर्मा

मसला है कथित तौर पर पैसे ले कर लोकसभा में सवाल पूछने का। आरोप है कि महुआ ने उद्योगपति गौतम अडानी के कामकाज से संबंधित बहुत-से सवाल संसद में पूछे। ज्इसलिए महुआ मोइत्रा कितनी ही पाक-दामन हों, उन पर लगे छींटे हंगामा मचा रहे हैं।ज् उन्हें तो अग्निपरीक्षा दे कर ही ख़ुद को पवित्र साबित करना होगा। इस समूचे प्रसंग में हमारे-आपके लिए सबसे बड़े सुकून की बात यह है कि महुआ तो कैसे गंगा नहाएंगी, वे जानें, मगर इस पृथ्वी पर कोई भी अग्निकुंड ऐसा नहीं है, जिस से गुज़र कर अडानी अपने को निर्दोष साबित कर पाएं।

इस कहानी में चार अहम किरदार हैं। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा, हीरानंदानी समूह के मालिक निरंजन हीरानंदानी के पुत्र दर्शन, भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे और कारोबारी दुनिया पर निगाह रखने वाली पत्रकार सुचेता दलाल। मसला है कथित तौर पर पैसे ले कर लोकसभा में सवाल पूछने का। आरोप है कि महुआ ने उद्योगपति गौतम अडानी के कामकाज से संबंधित बहुत-से सवाल संसद में पूछे। उन्होंने इसके लिए दर्शन हीरानंदानी से कई फ़ायदे लिए। इस आधार पर महुआ से इस्तीफ़े की मांग की जा रही है।

अब एक-एक कर इन चार किरदारों के बारे में थोड़ा जान लीजिए। 49 बरस की महुआ कोलकाता में अपनी आरंभिक पढ़ाई पूरी करने के बाद उच्च अध्ययन के लिए अमेरिका चली गईं। वहां के मशहूर विश्वविद्यालयों में आर्थिक विषयों की पढ़ाई की और वहीं विश्व प्रसिद्ध निजी बैंक और संपत्ति प्रबंधन कंपनी जे.पी. मॉर्गन में नौकरी करने लगीं। 2009 में जब महुआ ने भारत की राजनीति में प्रवेश के लिए नौकरी छोड़ी तो वे मॉर्गन में उपाध्यक्ष थीं। आमतौर पर आठ से दस साल काम करने वाला व्यक्ति इस पद तक पहुंच जाता है।

देश वापस आने के बाद महुआ ने युवा कांग्रेस में काम करना शुरू किया। युवा कांग्रेस के 'आम आदमी का सिपाही' कार्यक्रम में काम करते हुए उन्होंने साल भर के भीतर ही अपनी अच्छी पहचान बना ली। कांग्रेस पार्टी में तरक्की की धीमी चाल महुआ को रास नहीं आ रही थी। सो, उन्होंने ममता बनर्जी की तरफ़ अपने क़दम बढ़ाए और तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गईं। 2016 में ममता ने उन्हें विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी दे दी और जीत कर वे विधायक बन गईं। 2019 के चुनाव में उन्हें लोकसभा का प्रत्याशी बना दिया गया। सो, वे चुन कर संसद में आ गईं।

कहानी के दूसरे किरदार दर्शन हीरानंदानी दुबई में रहते हैं। भवन निर्माण वग़ैरह से जुड़े काम करने वाले हीरानंदानी समूह का 20-25 हज़ार करोड़ रुपए का कारोबार है। दर्शन के दादा यानी निरंजन के पिता लखूमल कान-नाक-गला डॉक्टर थे। उन्हें पद्मभूषण सम्मान भी मिला था। निरंजन चार्टर्ड एकाउंटेंट थे। उन्होंने भवन निर्माण के कारोबार की शुरुआत कोई चार दशक पहले की थी। अब उनका समूह दुनिया की सौ सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। बेटे दर्शन के अलावा उनकी एक बेटी भी है - प्रिया। दर्शन का विवाह दिल्ली के व्यवसायी प्रदीप झालानी की बेटी नेहा से हुआ है। प्रिया की शादी लंदन में व्यवसाय कर रहे साइरस वंद्रेवाला से हुई है।

पैसे ले कर सवाल पूछने का आरोप महुआ पर लोकसभा में सबसे पहले लगाने वाले भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे राजनीति में आने के पहले एस्सार उद्योग समूह में उच्चाधिकारी थे। कहानी का यह तीसरा पात्र 2009 में पहली बार लोकसभा में आया था। झारखंड की सियासत में विवादों के बादल निशिकांत के आसपास हमेशा से तैरते रहे हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो निशिकांत ने मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए पूरा ज़ोर लगा दिया था। तब से वे लगातार अपनी यह कोशिश जारी रखे हुए हैं। लेकिन 2019 में तीसरी बार लोकसभा में चुन कर आने के बावजूद अब तक उन्हें मंत्री नहीं बनाने की वज़ह सिर्फ़ प्रधानमंत्री को मालूम है।

निशिकांत ने आरोप लगाया है कि महुआ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने के मकसद से अडानी समूह के खिलाफ़ संसद में सवाल पूछे। उनका कहना है कि महुआ ने इसके लिए हीरानंदानी समूह से कई फ़ायदे तो लिए ही, पैसे भी लिए। अपने पर लगे आरोपों के जवाब में महुआ ने निशिकांत पर मानहानि का मुकदमा ठोक दिया है। निशिकांत ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख कर कहा है कि महुआ ने सांसद के नाते मिले विशेषाधिकार का दुरुपयोग किया है और उनकी लोकसभा सदस्यता ख़त्म की जानी चाहिए। दर्शन हीरानंदानी ने लोकसभा की आचार समिति को दिए अपने हलफनामे में कहा है कि महुआ ने अपने अधिकृत संसदीय एकाउंट की लॉग-इन आईडी का पासवर्ड उन्हें दिया था ताकि वे सवाल सीधे ही लोकसभा सचिवालय को भेज सकें। महुआ का कहना है कि दो-तीन दिन पहले तो हीरानंदानी समूह ने सार्वजनिक बयान दिया था कि सारे आरोप बेबुनियाद हैं। अब दर्शन से यह हलफनामा प्रधानमंत्री कार्यालय ने दबाव डाल कर दाखिल कराया है। उन्हें धमकी दी गई कि अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो उनके सारे सरकारी ठेके रद्द कर दिए जाएंगे और समूह का पूरा कारोबार चौपट हो जाएगा।

क़िस्से की चौथी किरदार पत्रकार सुचेता दलाल हैं। पिछले चालीस साल में उन्होंने इकॉनामिक टाइम्स, बिजिनेस स्टेंडर्ड और टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे कई अख़बारों में बतौर वित्तीय पत्रकार काम किया है। उन्होंने हर्षद मेहता शेयर घोटाला, एनरॉन घोटाला, आईडीबीआई बैंक घोटाला और केतन पारीख शेयर घोटाला उजागर करने जैसे धमाके किए हैं। वे पद्मश्री से सम्मानित हैं। पिछले 17 साल से वे अपने पति द्वारा संचालित पत्रिका 'मनी लाइफ' के लिए लिखती हैं। सुचेता ने अडानी समूह की कई गड़बडिय़ों को उजागर करने वाली विस्तृत ख़बरें लिखी हैं। उनके बारे में कहा जा रहा है कि वे अडानी के ख़िलाफ़ सवाल पूछने में महुआ को सक्रिय मदद कर रही थीं। मगर सुचेता का कहना है कि वे और महुआ तो एक-दूसरे को जानते तक नहीं हैं। कारोबारी संसार की इस घनचक्करी भूलभुलैया में कई खुरपेंच हैं। यह अनायास नहीं है कि पिछले कुछ दशकों में हमारे निर्वाचित और नामजद जनप्रतिनिधियों की जाजम का रंग तेजी से बदला है। एक वक़्त समाज सेवा, शिक्षा-जगत और कृषि से जुड़े लोगों का अनुपात संसद और विधानसभाओं में अच्छा-खासा हुआ करता था। अब इन हलकों से आने वाले हाशिए पर हैं। पिछले कुछ दशकों से राजनीति के निर्वाचित दरीचे और समूचे सांगठनिक कैनवस पर कारोबारी विद्याओं में माहिर पेशेवर विशेषज्ञ काबिज़ होते जा रहे हैं। वे पश्चिमी दुनिया के बड़े-छोटे वित्तीय संस्थानों के छोटे-बड़े पदों पर काम करते हुए सियासत में घुसे हैं। वे निजी कॉरपोरेट संस्थानों की ध्रुव-कुर्सियां संभालने के बाद राजनीति के मंच पर अवतरित हुए हैं। वे अलग-अलग अदालतों में कॉरपारेट दुनिया के अपने मुवक्किल-बादशाहों को 'न्याय दिलाने' के लिए बतौर उनके वकील लड़ते-लड़ते लोकतंत्र के अलग-अलग मंदिरों में पुजारी बने हैं। वे आर्थिक विषयों और आंतरिक तथा बाह्य सुरक्षा संबंधी प्रशासनिक ज़िम्मेदारियों का निर्वाह-कुनिर्वाह करने का अनुभव ले कर राजनीति पर कब्जा करने आए हैं। इसलिए महुआ मोइत्रा कितनी ही पाक-दामन हों, उन पर लगे छींटे हंगामा मचा रहे हैं। आप उलट कर पूछ सकते हैं कि उन पर पैसे ले कर सवाल पूछने का इल्ज़ाम लगाने वाले अडानी के हज़ारों करोड़ रुपए की रहस्यमयी आवाजाही पर ख़ामोश क्यों हैं? आप गौतम अडानी से दर्शन हीरानंदन की अदावत के पीछे के कारण भी गिना सकते हैं। आप निशिकांत दुबे के नैतिक इतिहास पर भी प्रश्न खड़े कर सकते हैं। मगर इस सबसे महुआ का पल्लू क्या सफेद झक हो जाएगा? अडानी का चेहरा भले ही कोयले की कालिख से कलूटा है, मगर इससे महुआ के सिर के पीछे आभा-चक्र स्वयमेव कैसे घूमने लगेगा? उन्हें तो अग्निपरीक्षा दे कर ही ख़ुद को पवित्र साबित करना होगा। इस समूचे प्रसंग में हमारे-आपके लिए सबसे बड़े सुकून की बात यह है कि महुआ तो कैसे गंगा नहाएंगी, वे जानें, मगर इस पृथ्वी पर कोई भी अग्निकुंड ऐसा नहीं है, जिस से गुजऱ कर अडानी अपने को निर्दोष साबित कर पाएं।

सू- दोकू क्र.072

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.71 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

भटकी हुई प्राथमिकताएं

भारत जैसे विकासशील देश के लिए ओलिंपिक मेजबानी के चक्कर में फंसना भटकी हुई प्राथमिकता का परिणाम ही कहा जाएगा। संभव है कि इससे भाजपा अपना चुनावी ब्रांड चमकाने में सफल हो जाए, लेकिन वह चमक देश को महंगी पड़ेगी।

तमाम संकेत हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2036 के ओलिंपिक खेलों के आयोजन की मेजबानी पर दावा जताने का मन बना लिया है। यह संभवत: प्रधानमंत्री की अगले चुनाव के लिए तैयार किए जा रहे नैरेटिव का हिस्सा होगा। खबर है कि नीति आयोग के विशेषज्ञ एक दस्तावेज तैयार करने में जुटे हुए हैं, जिसके आधार पर 'अमृतकाल' में ही भारत को विकसित देश बना देने का खाका खींचा जाएगा। इस खाके को विश्वसनीय बनाने के लिए जो कहानियां इसमें जोड़ी जाएंगी, उनमें गगनयान, 2040 तक चांद पर किसी भारतीय को भेजने की योजना आदि के साथ-साथ ओलिंपिक की मेजबानी को भी शामिल किया जाएगा। जिस समय ओलिंपिक खेलों की मेजबानी की बढ़ती कीमत और इसको लेकर अक्सर मेजबान देश में विवाद बढ़ते जा रहे हैं, मुमकिन है कि भारत को यह मेजबानी मिल भी जाए।

अगर यह मिली, तो फिर मेजबानी से भारतीय अर्थव्यवस्था को होने वाले फायदों की कहानी भी प्रचारित की जाएगी। इसीलिए इस पर गौर कर लेना उचित होगा कि आखिर मेजबानी कितनी फायदेमंद होती है। एक आकलन के मुताबिक दावेदारी पेश करने की प्रक्रिया में ही अब संबंधित देशों को 10 करोड़ डॉलर तक का खर्च करना पड़ता है। उसके बाद जरूरी निर्माण की चुनौती आती है। इसमें ज्यादातर खर्च मेजबान देश को ही करना पड़ता है। ओलिंपिक की मेजबानी में किस तरह कई शहर कर्ज के बोझ में दब गए, इसकी कहानियां अब बहुचर्चित हो गई हैं। मसलन, कनाडा के शहर मॉन्ट्रियल को अपना कर्ज उतारने में 30 वर्ष लगे, जबकि 2004 में एथेंस में हुई मेजबानी का ग्रीस को वित्तीय संकट में फंसाने में बड़ा योगदान रहा, तो 2014 ब्राजील के शहर रियो द जनेरो को उबारने के लिए ब्राजील सरकार को अपने खजाने से 90 करोड़ डॉलर देने पड़े। 2021 में टोक्यो को भी खासा आर्थिक नुकसान हुआ। भारत में कहानी उससे अलग रहेगी, इसकी कोई संभावना नहीं है। इसलिए भारत जैसे विकासशील देश के लिए ओलिंपिक मेजबानी के चक्कर में फंसना भटकी हुई प्राथमिकता का परिणाम ही कहा जाएगा। संभव है कि इससे भाजपा अपना चुनावी ब्रांड चमकाने में सफल हो जाए, लेकिन वह चमक देश को महंगी पड़ेगी।(आरएनएस)

धनुष अभिनीत कैप्टन मिलर दो भाग वाली फिल्म नहीं होगी

तमिल स्टार धनुष की आगामी फिल्म कैप्टन मिलर के बारे में प्रोडक्शन ने फिल्म के दो भागों में आने की अफवाह पर विराम लगाते हुए यह साफ कर दिया है कि कैप्टन मिलर वास्तव में एक एकल भाग वाली फिल्म होगी।

शुरुआत में फिल्म निर्देशक अरुण मथेश्वरन ने यह निर्णय लिया था कि यह दो भागों में रिलीज होगी, हालांकि निर्देशक अपने फैसले से पीछे हट गए हैं।

यह वापसी क्यों हुई इसका कारण पता नहीं चल पाया है। फिल्म प्रोडक्शन हाउस सत्य जोति फिल्म्स ने केवल इतना कहा है कि फिल्म एक भाग में आएगी

यह फिल्म ब्रिटिश भारत में 1930-1940 के दशक पर आधारित है और मिलर नामक एक डाकू पर आधारित है जो खूनी लूटपाट, डकैती और हमलों में लिप्त रहता है।

हालांकि, कहानी अभी भी स्पष्ट नहीं है, जाहिर तौर पर मिलर को उन चीजों का सामना करना होगा जिनसे वह बहुत लंबे समय से भाग रहा है।

कैप्टन मिलर 15 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

उपराष्ट्रपति ने किये केदार बाबा और बद्रीनाथ के दर्शन

विशेष संवाददाता

देहरादून। अपने उत्तराखंड दौरे पर आये उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज दूसरे दिन केदार धाम और बद्रीनाथ धाम गए, जहां उन्होंने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की और केदार बाबा तथा बद्री नारायण के दर्शन किए। इस दौरान राज्यपाल गुरमीत सिंह भी उनके साथ रहे। धामों में उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी का भव्य स्वागत बद्री-केदार समिति के तीर्थ पुरोहितों द्वारा किया गया। केदार बाबा और बद्री विशाल के दर्शन कर उपराष्ट्रपति ने कहा कि उत्तराखंड का नैसर्गिक सुंदरता अद्भुत है यहां अध्यात्म की अनूठी अनुभूति उन्हें हुई है। उन्होंने कहा कि यहां आकर वह स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। दोनों धामों के दर्शन कर वह 2 बजे के आसपास दून लौट आए। यहां आज शाम उनका फॉरेस्ट विभाग के कार्यक्रम में हिस्सा लेने का भी कार्यक्रम है उपराष्ट्रपति आज शाम ही दिल्ली वापस लौट जाएंगे। उधर उत्तराखंड मौसम में आए बदलाव के साथ वीवीआईपी और वीआईपी हस्तियों के दौरे का अविराम सिलसिला जारी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी आज अपने तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आ गई हैं उनके सभी धामों की यात्रा पर जाने का कार्यक्रम है।

❑केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण भी उत्तराखंड पहुंची, धामों की करेगीं यात्रा

सीएम धामी ने अस्पताल पहुंच हरीश रावत का कुशलक्षेम जाना

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रान्ट हास्पिटल पहुंच पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कुशलक्षेम जाना। आज यहां नई दिल्ली से लौटे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट से सीधे हिमालयन हास्पिटल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हिमालयन हास्पिटल में भर्ती पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कुशलक्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

शिवराज का एनडीए में चयन

मुनस्यारी (सं)। मुनस्यारी के ग्राम क्वीरी जीमिया निवासी शिवराज सिंह पछाई का एनडीए में चयन होने पर उनको शुभकामनाएं दी गयी। मुनस्यारी के अन्य छात्र भी आपसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगे, यही उम्मीद और भरोसा है। जिला पंचायत वार्ड सरमोली(मुनस्यारी) के ग्राम पंचायत क्वीरी जीमिया निवासी शिवराज सिंह पछाई पुत्र भगत सिंह पछाई प्रधानाध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धापा का एनडीए में चयन हो गया। जिसको इस सफलता के लिए क्षेत्र की ओर से बधाई एवं इस क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए अनंत शुभकामनाएं दी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा इस उपलब्धि पर शिवराज को बधाई दी गई है। उन्होंने बताया कि शिवराज को उसके ग्राम पंचायत में सम्मानित भी किया जाएगा।

उद्यान घोटाले में भाजपा विधायक का नाम... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

सौंपी जा चुकी है ऐसे में इस बड़े घोटाले में कई सफेदपोशों के लपेटे में आने की उम्मीद है। देखना यह है कि इसकी लपटें किस-किस तक पहुंचती है और किसने इस घोटाले का कितना फायदा उठाया है।

स्टिंग मामले में सीबीआई ने डा. हरक को भेजा नोटिस

विशेष संवाददाता

देहरादून। टाइगर सफारी मामले में सीबीआई जांच का सामना कर रहे पूर्व काबीना मंत्री डॉ हरक सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। 2016 के स्टिंग मामले को भले ही डा. हरक सिंह वापस लेकर रफा दफा करना चाहते हों लेकिन क्योंकि मामला सीबीआई के पास है, उन्हें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। आज सीबीआई ने उन्हें नोटिस भेजते हुए 7 नवंबर को नई दिल्ली सीबीआई मुख्यालय में अपना वॉइस सैंपल देने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि 2016 के इस स्टिंग केस ने राजनीति में भूचाल ला दिया था। कांग्रेस छोड़कर भाजपा के साथ जाने वाले डॉ. हरक सिंह ने खुद इस मामले में हाईकोर्ट में केस दर्ज कराया था लेकिन अब वह फिर कांग्रेस का हिस्सा है। कांग्रेस में वापसी से पूर्व ही उन्होंने अपने द्वारा दायर केस को वापस लेने की बात करते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दी थी। उनका कहना था कि

❑7 नवंबर को आवाज का सैंपल देने के लिए बुलाया दिल्ली मुख्यालय

केस वापस लेने पर इस मामले की आगे की जांच की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन मामला सीबीआई के पास है और जांच जारी है। इसमें मदन बिष्ट उमेश शर्मा सहित चार लोगों के नाम है। बाकी किसी को सीबीआई ने नोटिस दिया है या नहीं इसकी तो जानकारी अभी नहीं है लेकिन डा. हरक द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उन्हें आज ही यह नोटिस मिला है।

डा. हरक सिंह का कहना है कि आज सीबीआई का एक आदमी उनके आवास पर आया जो नोटिस दे गया है उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली सीबीआई हेड ऑफिस से उनके पास फोन आया है कि 7 नवंबर को अपना वॉइस (आवाज) का सैंपल देने के लिए मुख्यालय में उपस्थित हो। उनका कहना है कि हालांकि मैंने उन्हें कहा है कि मुझे अभी डेंगू हो गया था और मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है व नवंबर में पार्टी द्वारा उनके चुनावी कार्यक्रम भी लगाए हुए हैं उन्होंने कहा कि आगे देखते हैं कि क्या होगा।

उल्लेखनीय है कि हरक सिंह 2024 के चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं लेकिन जंगल सफारी घोटाले व स्टिंग मामले की सीबीआई जांच उनकी राह में बड़ी मुश्किल बनकर सामने खड़ी है। 2016 में हुए दल बदल के बाद से लेकर अब तक उनकी मुश्किलें लगातार बढ़ती ही जा रही है जो कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

हरीश रावत के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। आज यहां उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार व नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और राष्ट्रीय उत्तराखण्ड पार्टी के अध्यक्ष नवनीत गुसांई व प्रदेश संयुक्त परिषद के अध्यक्ष विपुल नौटियाल ने एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। अभी हाल ही में हरीश रावत और उनके साथियों का एक्सीडेंट हुआ था। रावत का उपचार जॉलीग्रान्ट में चल रहा है। परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार और उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि हरीश रावत के अथक प्रयासों से ही राज्य के सक्रिय रहे आंदोलनकारियों को पेंशन प्राप्त हो रही है। आंदोलनकारी सदैव उनके ऋणी रहेंगे। रावत के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करने वालों में अनुराग भटट, जगमोहन रावत सहित अनेक आंदोलनकारी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री लंदन, अबू धाबी, दुबई व चेन्नई में कर रहे सैर सपाटा: आनंद

संवाददाता

देहरादून। आप नेता रविन्द्र सिंह आनंद ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी युवा हैं और यदि वह दुबई, लंदन, अबू धाबी और अब चेन्नई का दौरा कर सैर सपाटा करना चाहते हैं तो इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है।

आज यहां आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता रविंद्र सिंह आनंद ने एक बयान जारी कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चेन्नई दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इन्वेस्टर समिट केवल और केवल कागजों तक ही सीमित है और इसमें जमीनी तौर पर कोई काम नहीं होने वाला उन्होंने इसे महज दिखावा करार दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी युवा हैं और यदि वह दुबई, लंदन, अबू धाबी और अब चेन्नई का दौरा कर सैर सपाटा करना चाहते हैं तो इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन उनकी यात्राओं से कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है और ना ही यह उत्तराखंड के हित में है हां इन्वेस्टर सुमित की आड़ में पुष्कर सिंह धामी यदि सैर पर गए हैं तो इससे

उनका मन जरूर बहल सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास ना तो लैंड बैंक है ना ही इंफ्रास्ट्रक्चर और ना ही रोड उन्होंने कहा इस वक्त प्रदेश में सड़कों का जो हाल है वह किसी से छुपा नहीं है तो ऐसे में पुष्कर सिंह धामी किसको धोखा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा लगता है कि इन्वेस्टर समिट को लेकर केंद्र का प्रेशर मुख्यमंत्री पर अधिक है जिसके चलते वह इस प्रकार के क्रियाकलाप कर रहे है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता के गाढ़े खून पैसे की कमाई को पुष्कर सिंह धामी सैर सपाटे में उड़ा रहे हैं लेकिन इससे उत्तराखंड की जनता और उत्तराखंड को कोई लाभ होने वाला नहीं है।

दून का विकास और जनसहभागिता की अनिवार्यता पर संवाद दो नवम्बर को

संवाददाता

देहरादून। स्मार्ट सिटी दून का विकास और जनसहभागिता की अनिवार्यता विषय पर संवाद नौ नवम्बर को किया जायेगा।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्मार्ट सिटी दून का विकास और जनसहभागिता की अनिवार्यता विषय पर दूनवासियो से सुझाव संकलित करने हेतु संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से संवाद कार्यक्रम का आयोजन 2 नवम्बर 2023 को प्रात: ठीक पौने ग्यारह बजे पर सिटी बैंकट हाल,(पुरानी जेल के सामने)हरिद्वार रोड मे किया जा रहा है। इस आयोजन मे एसडीसी फाउंडेशन के अनूप नौटियाल,बैक इंप्लाइज यूनियन के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन मेहदीरत्ता, स्पेक्स के ब्रजमोहन शर्मा, उपभोक्त समीती के केजी बहल,रेजीडेंट वेलफेयर एशोसियेशन फ्रंट के देवेंद्र पाल सिहं मोंटी,अपना परिवार के पुरूषोत्तम भट्ट,मैड संस्था के उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अभिजय नेगी, आरटीआई क्लब उत्तराखंड के अमरसिंह धुनता, धाद के तन्मय ममगाई, समानता मंच के विनोद नौटियाल, डालनवाला रेजीडेंट वेलफेयर एशोसियेशन के डाक्टर अनिल जगगी, गवर्नमेंट पेंशनर वेलफेयर संगठन के चौधरी ओमवीर सिंह, आन्दोलनकारी मंच के प्रदीप कुकरेती, दून सिख वेलफेयर सोसाइटी के अमर जीत सिंह भाटिया, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के मुकेश शर्मा, दून एक्स सर्विस लीग के बी एम थापा समेत निगम पार्षद, व्यापार मंडल के प्रतिनिधि भी भाग लेकर 2041 तक के लिए बनायी जा रही स्मार्ट सिटी की योजना पर अपने सुझाव रखेगे। जिनको सरकार तथा शासन को कार्यान्वित करने हेतु भेजा जायेगा। संवाद कार्यक्रम के संयोजक जसबीर सिंह रेनोत्रा बनाये गये है।

एक नजर

पीएम मोदी ने 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' के सातवें एडिशन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में इंडियन मोबाइल कांग्रेस के सातवें संस्करण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह एडिशन अगले दो दिनों तक चलेगा। इससे पहले भी इसी वेन्यू पर जी 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत ने की थी। दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाषण में कहा, हर दिन टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ, हम कहते हैं कि भविष्य यहीं और अभी है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के चुनिंदा संस्थानों में 100 5जी लैब का उद्घाटन किया।

पीएम ने बताया कि हाल ही में गूगल ने भारत में अपने पिक्सल फोन के निर्माण की घोषणा की है। सैमसंग के फोल्ड 5 मोबाइल फोन और एप्पल के आईफोन 15 का निर्माण भारत में किया जा रहा है। हमें गर्व है कि दुनिया अब मेड इन इंडिया मोबाइल फोन का उपयोग कर रही है। वहीं एडिशन के शुरुआत में आईटी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, डिजिटल इंडिया के लिए टेलीकॉम क्षेत्र एक तरह का गेटवे है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की ओर से टेलीकॉम उपकरण 70 देशों को निर्यात किया जाता है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा का अगला एडिशन भी दिल्ली में होगा। इस अवसर पर टेलीकॉम क्षेत्र के बड़े उद्योगपतियों ने भी अपनी बात रखी, जिसमें आकाश अंबानी, सुनील भारती मित्तल और कुमार मंगलम शामिल थे।

राशन घोटाला मामले में ममता सरकार के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक गिरफ्तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के मंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता ज्योत्रिप्रिया मलिक को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है। ईडी द्वारा ये कार्रवाई राशन घोटाला मामले में की गई है। यह गिरफ्तारी ईडी द्वारा कोलकाता के बाहरी इलाके साल्ट लेक में मल्लिक के आवास पर तलाशी लेने के एक दिन बाद हुई। जब ईडी के अधिकारी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस की मदद से मंत्री को ले जा रहे थे तो मीडियाकर्मी धक्का-मुक्की करने लगे और उनके आसपास इकट्ठा हो गए। एजेंसी ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को राशन वितरण में भ्रष्टाचार के एक कथित मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया है।ष गिरफ्तार मंत्री को साल्ट लेक स्थित उनके आवास से बाहर ले जाते समय मीडियाकर्मियों से यह कहते हुए सुना गया, मैं एक गंभीर साजिश का शिकार हूं।ष गौरतलब है कि ईडी राशन वितरण में भ्रष्टाचार के एक कथित मामले के सिलसिले में तलाशी ले रहा है। ज्योतिप्रिय मलिक वर्तमान में राज्य के वन मामलों के मंत्री हैं और पहले उनके पास खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग का प्रभार था।

अमेरिका ने सीरिया में की एयरस्ट्राइक

नई दिल्ली । जहां एक ओर इजारयल गाजा में हमास के ठिकानों को लगातार निशाना बना रहा है वहीं दूसरी ओर अमेरिका ने भी हमास के हमदर्दों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने पूर्वी सीरिया में स्थित ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और उससे जुड़े समूहों के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिका का कहना है कि इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी बेस पर ड्रोन और मिसाइल से किए गए हमलों के मद्देनजर यह जवाबी कार्रवाई की गई है। पेंटागन के मुताबिक 17 अक्टूबर को इराक और सीरिया में अमेरिकी बेस पर कम से कम 12 हमले किये गए। इन हमलों में 21 अमेरिकी नागरिक घायल हुए। इराक में अमेरिका के बेस अल असद और सीरिया में अल-तनफ गैरिसन में ईरान से जुड़े संगठनों ने यह हमला किया था। अमेरिका का कहना है कि आज किया गया हमला उसी का जवाब है। बताया जाता है कि पूर्वी सीरिया में जहां अमेरिका ने हमला किया है वहां से आतंकी अमेरिका के खिलाफ कार्रवाईयों को अंजाम दे रहे थे। इन्हीं ठिकानों से अमेरिकी बेस पर हमले किए गए। अमेरिका का कहना है कि उसने आत्मरक्षा में यह जवाबी कार्रवाई की है। पेंटागन के मुताबिक अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। ईरान की शह पर ईराक और सीरिया में मौजूद आतंकी संगठनों इन जगहों से अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। अमेरिकी बेस पर हुए हमलों में एक अमेरिकी नागरिक जो कि ठेकेदार था, उसकी मौत हो गई थी। इन हमलों में 21 अमेरिकी सैन्यकर्मियों को चोटें आई थीं लेकिन सभी वापस ड्यूटी पर लौट आए थे।

जनता की सुविधा के लिए स्थानांतरण नीति पर मांगे सुझावः राधा रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि कार्मिको के हितों को ध्यान रखने के साथ ही प्रदेश की जनता को बेहतर सुविधा मिले, इसी ध्येय के साथ नई स्थानांतरण नीति को लेकर सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्थानांतरण नीति को लेकर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में प्रदेश के विभिन्न कर्मचारी/ शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान कार्मिक, न्याय, वित्त विभाग के अधिकारियों समेत सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने नई स्थानांतरण नीति पर विचार विमर्श किया। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि कार्मिको के हितों को ध्यान रखने के साथ ही प्रदेश की जनता को बेहतर सुविधा मिले, इसी ध्येय के साथ नई स्थानांतरण नीति को लेकर सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं।

अपर मुख्य सचिव ने कार्मिक विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में कई ऐसे स्थान हैं जो 15-20 साल पूर्व तक अति दुर्गम/ दुर्गम की श्रेणी में थे एवं वर्तमान में सड़क एवं अन्य सुविधाओं की वजह से सुगम क्षेत्र में आ गये हैं ऐसे क्षेत्रों का पुनरीक्षण किया जाए। बैठक के दौरान जनपद कैडर, मण्डल कैडर और प्रदेश कैडर के कार्मिकों को एक बार सेवाकाल में गृह जनपद में तैनाती, पदोन्नति और स्थानांतरण में काउन्सलिंग कराने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। अपर मुख्य सचिव ने सभी कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों से लिखित सुझाव शासन को देने का भी अनुरोध किया है।

इस अवसर पर अपर सचिव वित्त डॉ. वी. षणमुगम, अपर सचिव कार्मिक डॉ ललित मोहन रयाल, अपर सचिव शिक्षा योगेन्द्र यादव, अपर सचिव न्याय रजनी शुक्ला, अपर सचिव स्वास्थ्य अमनदीप कौर समेत विभिन्न कार्मिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

चाय के खोखे में कर रहे थे शराब की बिक्री, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। तीर्थनगरी ऋषिकेश में चाय के खोखे की आड़ में शराब की अवैध बिक्री करने वाले दो लोगों को आबकारी विभाग द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से 32 पेटी अंग्रेजी शराब भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार ऋषिकेश के चार धाम यात्रा बस कंपाउंड में लगे चाय के खोखे के अंदर शराब बिक्री का खुलासा करते हुए आबकारी विभाग की टीम ने छापा मार कर खोखे के अंदर से 32 पेटी शराब चंडीगढ़ ब्रांड की बरामद की है। आबकारी विभाग ने खोखा संचालक दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आबकारी विभाग की इंस्पेक्टर प्रेरणा बिष्ट ने बताया कि बीते कुछ समय से लगातार सूचना मिल रही थी कि चार धाम यात्रा बस कंपाउंड में लगे एक चाय के धोखे के अंदर अवैध रूप से शराब का भंडारण कर बिक्री की जा रही है। पुलिस और आबकारी विभाग की नजरों में धूल झोंकने के लिए खोखे को टीन की दीवार से दो हिस्सों में बांटा गया है। एक हिस्से में चाय का काम किया जा रहा है और दूसरे हिस्से में शराब छुपा कर रखी गई है। सूचना के आधार पर छापेमारी कर मामले का खुलासा किया गया है।

व्यापारी से रंगदारी मांगने पर नेता व उसके बेटे सहित अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

उधमसिंह नगर। नेता को एक व्यापारी से 40 लाख की रंगदारी मांगना भारी पड़ गया। पुलिस ने नेता व उसके बेटे सहित पांच लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास और रंगदारी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि नेता ने व्यापारी को आपत्तिजनक एडिटेड वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करने के साथ ही उसकी हत्या का प्रयास किया था।

जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन रोड काशीपुर निवासी प्रतीक अग्रवाल ने कोतवाली में तहरीर देकर कहा है कि कुछ दिन पहले अनूप अग्रवाल नाम के नेता ने उससे 20 लख रुपए उधार मांगे थे जब उसने रुपए देने से मना किया तो वह भड़क गया। बताया कि 22 अक्टूबर को वह है श्री रामलीला मैदान में गया था जहां अनूप अग्रवाल उसे कोने में ले गया और उसने अपने मोबाइल में उसकी एक एडिटेड आपत्तिजनक वीडियो दिखाई और कहां कि तू अब मुझे 20 की जगह 40 लाख रुपए देगा वरना मैं इस वीडियो को वायरल कर दूंगा। बताया कि वहां पर अनूप अग्रवाल का बेटा अमूल अग्रवाल

❑जान से मारने की नियत से फायर झोंकने का भी आरोप

सहित 15-20 अन्य और लोग मौजूद थे इन लोगों ने भी उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि युवा नेता अमूल ने उसकी कनपटी पर बंदूक रख दी और हत्या के इरादे से उसे पर फायर झोंक दिया जिसमें वह बाल बाल बच गया इसके बाद आरोपी उसे धमकाते हुए भाग गए। वहीं मामले में कोतवाली के एसएसआई प्रदीप मिश्रा का कहना है कि पीड़ित व्यापारी की तहरीर पर पुलिस ने नेता अनूप अग्रवाल सहित पांच नामजद व 15-20 अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीढी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने जीआई पाइप की बनी सीढी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंजा ग्रान्ट निवासी मनमोहन भटट ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कुंजा ग्रान्ट में उसका फार्म है। आज जब वह वहां पर गया तो उसने देखा कि वहां रखी जीआई पाइप से बनी 15 फीट की सीढी गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।